यू.पी.एस.आई.डी.सी अगस्त के अन्त तक ई–एलाटमेंट व ई–टेन्डरिंग प्रारम्भ करेगा

- *लागू न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध होगी कार्यवाही*
- *पिकप अवस्थापना विकास कार्यों की गुणवत्ता की करेगा तृतीय पक्ष आकलन*
- *चोला, बुलन्दशहर में डीएमआईसी के तहत अर्ली बर्ड प्रोजेक्ट की तलाषी जाएगी सम्भावना*

कानपुर 8 अगस्त 2013

औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन तथा औद्योगिक अवस्थापना विकास के कार्यो में पारदर्शिता लाने के लिए यूपीएसआईडीसी इस माह के अन्त तक औद्योगिक भूखण्डों के ई–एलाटमेन्ट तथा औद्योगिक अवस्थापना विकास कार्यों की ई–टेण्डरिंग की प्रकिया प्रारम्भ करेगा।

यह निर्णय आज **प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, डॉ0 सूर्य प्रताप सिंह ने यूपीएसआईडीसी के कार्यों की यहॉ सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिया।** इस बैठक में **यूपीएसआईडीसी के प्रबन्ध निदेशक श्री मनोज सिंह, तथा अवस्थापना औद्योगिक विकास के विशेष सचिव श्री कौशल राज शर्मा व श्री सुमन्त सिंह सहित औरैया, बॉदा तथा कानपुर के जिलाधिकारियों** व **यूपीएसडआईडीसी के अधिकारियों** ने सक्रिय प्रतिभाग किया।

डा0 सूर्य प्रताप सिंह ने कहा– ''यूपीएसआईडीसी को अपनी ब्राण्ड (छवि) में सुधार लाना होगा जिसमें कि गत कुछ वर्षों में कमी आई है, **उन्होंने कहा–**''निवेशको को साक्षात्कार के लिए बुलाना बन्द कीजिये, प्रक्रियाओं में मानव हस्तक्षेप को न्यूनतम कर उनमें तेजी लायी जाये।

प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास ने कहा कि यूपीएसआईडीसी में ई–एलाटमेन्ट तथा ई–टेण्डरिंग की प्रक्रिया को इस माह के अन्त तक लागू कर लिया जाना चाहिए अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास प्राधिकरणों की कार्यशैली में बदलाव लाते हुए निवेशकों को सक्रिय रूप से सुविधाऍ प्रदान की जानी चाहिए। यूपीएसआईडीसी के क्षेत्रीय प्रबन्धकों को निर्देशित करते हुए डा0 सिंह ने कहा कि निवेशक को राजा मानिये तथा भूमि तथा अवस्थापना सुविधाओं के मामलों को निपटाने के लिए जिलाधिकारियों से स्वयं मिलिये।

डा0 सिंह ने उद्योगों के लिए उच्च श्रेणी की अवस्थापना की सुविधाओं के विकास के लिए कहा कि **भविष्य में तृतीय पक्ष द्वारा अवस्थापना विकास के लिए किये गये कार्यों की गुणवत्ता का आंकलन करवाने के लिए प्रदेशीय इण्डस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कारपोरेशन ऑफ यूपी (पिकप) के कौशल का सदुपयोग किया जायेगा।**

इसके अतिरिक्त निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक पहल करते हुए प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास डॉ0 सूर्य प्रताप सिंह ने **उनसे मिलने आये 22 उद्यम–उद्योग के प्रतिनिधियों** से उनके लम्बित मामलों को सुलझाने के लिए परस्पर संवाद किया। उद्यमी तथा अवस्थापना विकास करता संस्थायें जो इस बैठक में सम्मिलित हुंयी **उनमें प्रमुख रूप से** – भारत इलेक्ट्रानिक्स, आल इण्डिया प्लास्टिक मैन्यूफैक्चर्स एसो0, कन्नौज का वर्दन ग्रुप, कानपुर तथा हरदोई में प्रस्तावित मेगा लेदर क्लस्टर, मेगा फूड पार्क जगदीशपुर, अनिक, मथुरा रिफाइनरी तथा एन0टी0पी0सी0 के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

अधिकतर मामले भूमि तथा राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक इकाईयों को दी जाने वाली स्वीकृतियों एवं अनापत्तियों से सम्बन्धित थे। प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास डा0 सूर्य प्रताप सिंह ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि आप निवेश लाइये राज्य सरकार आपका पूरा सहयोग करेगी।

एस0आई0 सोल्यूशन्स के श्री यूसूफ खान ने राज्य सरकार के सकारात्मक रूख की प्रशंसा करते हुए कहा – ''निश्चित ही उत्तर प्रदेश की नई सरकार उद्योगों के विकास के लिए प्रभावी कदम उठा रही है तथा अधिकारियों का रूख भी रचनात्मक है। इससे उद्यमी आशान्वित तथा उत्साहित हैं।''

प्रबन्ध निदेशक यूपीआईडीसी, मनोज सिंह ने डी0एम0आई0सी0डी0सी0 के परामर्शी से यह कहा गया कि वे **चोला में इस परियोजना के अन्तर्गत एक अर्ली बर्ड प्रोजेक्ट की सम्भावना की तलाश करे** क्योंकि यूपीएसआईडीसी चोला में इक्विटी के रूप में 1500 एकड़ भूमि निवेशित करने को तैयार है।